

भारत के प्रधानमंत्री की कुवैत यात्रा

प्रलिस के ललल:

[खाली राष्ट्र, अंतरराष्टरीय सौर गठबंधन, संयुक्त राष्ट्र, खाली सहयोग परषलद, ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर](#)

मेन्स के ललल:

भारत की वदलश नीतल और पश्चमल एशया के साथ संबंध, भारत-कुवैत द्वपलक्षीय संबंध, भारत की वदलश नीतल में ऊरजा कूटनीतल

[सुरत: इंडयलन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्युँ?

भारत और कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की **खाली देश की ऐतहासकल यात्रा के दुरान अपने द्वपलक्षीय संबंधों को रणनीतकल साझेदारी तक बढ़ा दललल है। यह वर्ष 1981 में इंदरल गांधी की यात्रा के बाद कसलसी भारतीय प्रधानमंत्री की दूसरी यात्रा है।**

- यह यात्रा दोनों देशों के बीच वयापार, रक्षा और वयापक सहयोग के ललल नई प्रतबलद्धता का प्रतीक है।

//



प्रधानमंत्री की कुवैत यात्रा के मुख्य बडि क्या हैं?

- **ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर:** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने में उनके योगदान के लिये कुवैत के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से सम्मानित किया गया।
- **सामरिक साझेदारी:** दोनों पक्षों ने अपने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने पर सहमत वियक्त की तथा राजनीतिक, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया।
 - **रक्षा सहयोग:** संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, तटीय रक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग पर एक समझौता जज़ापन पर हस्ताक्षर किये गए।
 - **सांस्कृतिक और खेल सहयोग:** भारत और कुवैत ने वर्ष 2025-2029 के लिये सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (CEP) तथा वर्ष 2025-2028 के लिये खेल के क्षेत्र में सहयोग पर कार्यकारी कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किये।
- **संयुक्त सहयोग आयोग (JCC):** द्विपक्षीय संबंधों की नगिरानी के लिये दोनों देशों के वदिश मंत्रियों की अध्यक्षता में JCC की स्थापना की गई।
 - **शिक्षा, व्यापार, नविश, कृषि और आतंकवाद-नरिध** जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नए संयुक्त कार्य समूह (JWG) स्थापित किये गए।
- **प्रौद्योगिकी और उभरते क्षेत्र:** सेमीकंडक्टर, **कृत्रिम बुद्धिमितता, ई-गवर्नेंस** और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सहयोग पर ज़ोर दिया गया।
- **ऊर्जा सहयोग:** दोनों पक्ष ऊर्जा क्षेत्र में करेता-वकिरेता संबंध से आगे बढ़कर व्यापक साझेदारी की ओर बढ़ने पर सहमत हुए, जिसमें तेल, गैस, शोधन और **नवीकरणीय ऊर्जा** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** भारतीय पक्ष ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) का सदस्य बनने के कुवैत के फैसले का स्वागत किया।
 - भारत के प्रधानमंत्री ने **खाडी सहयोग परिषद (GCC)** की अध्यक्षता मिलने पर कुवैत को बधाई दी तथा भारत-GCC मुक्त व्यापार समझौते के महत्त्व पर बल दिया।
 - दोनों नेताओं ने वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र (UN) में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर'

- यह सम्मान राष्ट्रपति, वदेशी देशों के शासकों और शाही परिवारों के सदस्यों को प्रदान किया जाता है।
- वर्ष 1974 में स्थापित यह पुरस्कार **मुबारक अल सबाह** को सम्मानित करता है, जिन्हें **मुबारक अल-कबीर** के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने वर्ष 1896 से 1915 तक कुवैत पर शासन किया था।
 - मुबारक अल सबाह ने कुवैत के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा उसे **ओटोमन साम्राज्य** स्वायत्तता दलाई।
- ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर के पूर्व प्राप्तकर्ताओं में **महारानी एलजाबेथ द्वितीय, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश और बिल क्लिंटन, सऊदी अरब के राजा सलमान और पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी** जैसे उल्लेखनीय व्यक्ति शामिल हैं।



my
GOV
मेरी सरकार

Kuwait's Highest Honour

The ORDER of
MUBARAK
AL KABEER



20 / GLOBAL
HONOURS

ONE MOMENT OF GLORY FOR
140 CRORE INDIANS!

- 2024 - Guyana's The Order Of Excellence
- 2024 - Barbados's The Order of Freedom
- 2024 - Nigeria's Grand Commander of the Order
- 2024 - Dominica's Dominica Award of Honour
- 2024 - Russia's Order of St. Andrew the Apostle
- 2023 - Greece's Grand Cross of the Order of Honour
- 2023 - France's Grand Cross of the Legion
- 2023 - Egypt's Order of the Nile
- 2023 - Republic of Palau's honour Ebakl Award
- 2023 - Papua New Guinea's the Order of Logohu
- 2023 - Fiji's prestigious Companion of the Order of Fiji
- 2021 - Bhutan's Order of the Druk Gyalpo
- 2020 - US Government's Legion of Merit
- 2019 - Bahrain's King Hamad Order of the Renaissance
- 2019 - Maldives' the Order of the Distinguished Rule of Nishan Izzuddin
- 2019 - United Arab Emirates' Order of Zayed Award
- 2018 - Palestine's the Grand Collar of the State of Palestine Award
- 2016 - Afghanistan's the State Order of Ghazi Amir Amanullah Khan
- 2016 - Saudi Arabia's Order of King Abdulaziz

भारत-कुवैत संबंध कैसे हैं?

- **ऐतिहासिक संबंध:** भारत और कुवैत के बीच दीर्घकालिक संबंध हैं, जो **तेल के आगमन से पहले** के समय से चले आ रहे हैं, जब **समुद्री व्यापार** कुवैत की अर्थव्यवस्था की नींव था।
 - भारतीय रुपया वर्ष 1961 तक कुवैत में वैध मुद्रा था, जो उनके मज़बूत आर्थिक संबंधों को दर्शाता है।
 - ऐतिहासिक रूप से, कुवैत भारत के साथ **खजूर, मोती और अरबी घोड़ों** जैसी वस्तुओं का व्यापार करता था। हालाँकि, **तेल की खोज के बाद**, कुवैत की अर्थव्यवस्था बदल गई, अब **तेल राज्य की आय का लगभग 94% योगदान** देता है।
- **आर्थिक साझेदारी:** कुवैत भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2023-24 में **10.47 बिलियन अमेरिकी डॉलर** था।
 - कुवैत भारत का **छठा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता** है, जो देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का **3%** पूरा करता है।

- कुवैत को भारतीय नरियात पहली बार 2 बलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, जो बढ़ते व्यापारिक संबंधों को दर्शाता है।
- भारत में कुवैत नविश प्राधिकरण का नविश 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है।
- कुवैत में प्रवासी भारतीय: लगभग 1 मिलियन की आबादी के साथ, भारतीय समुदाय कुवैत में सबसे बड़ा प्रवासी समूह है।
 - यह समुदाय कुवैती अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग, खुदरा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में।

पश्चिम एशिया में भारत की वदेश नीति में कुवैत का क्या महत्व है?

- **आर्थिक योगदान:** कुवैत में भारतीय प्रवासियों द्वारा प्रेषित धनराशि भारतीय अर्थव्यवस्था में अरबों डॉलर का नविश करती है, जो आर्थिक स्थिरता और विकास के लिये महत्वपूर्ण है।
- **आर्थिक सहयोग: कुवैत का वजिन 2035**, जिसका उद्देश्य तेल से परे अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है, भारत के लिये नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढाँचे और प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग करने के अवसर प्रस्तुत करता है।
 - यह भारत के विकास लक्ष्यों, विशेषकर **विकसित भारत 2047** के अनुरूप है।
 - इसके अतिरिक्त, कुवैत से ऊर्जा सुरक्षा भारत के औद्योगिक विकास और घरेलू जरूरतों के लिये महत्वपूर्ण है।
- **भू-राजनीतिक प्रभाव:** मध्य पूर्व में कुवैत का स्थिति और GCC में इसकी भूमिका इसे क्षेत्रीय राजनीति में एक प्रमुख अभिकर्ता बनाती है।
 - कुवैत के साथ भारत के जुड़ाव से उसे पश्चिम एशिया में संतुलित और प्रभावशाली उपस्थिति बनाए रखने में मदद मिलती है।
- **श्रम और कौशल विकास:** कुवैत के वजिन 2035 के तहत कुशल कार्यबल की मांग, कौशल विकास में भारत की ताकत के अनुरूप है, जिससे अधिक भारतीय श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कुवैत के विकास में योगदान करने का अवसर मिला।

खाड़ी सहयोग परिषद क्या है?

- **परिचय: वर्ष 1981** में स्थापित GCC एक क्षेत्रीय राजनीतिक और आर्थिक संगठन है, जिसमें छह अरब राज्य शामिल हैं: **बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात**।
 - GCC की स्थापना क्षेत्रीय तनावों, विशेष रूप से **ईरानी क्रांति (1979)** और **इराक-ईरान युद्ध (1980-1988)** के जवाब में की गई थी।
 - इसका उद्देश्य खाड़ी क्षेत्र में एकता को बढ़ावा देना और साझा चुनौतियों का समाधान करना है।
- **संगठनात्मक संरचना:** सर्वोच्च परिषद GCC का सर्वोच्च नरिणय लेने वाला निकाय है, जिसमें प्रत्येक सदस्य देश के राष्ट्रध्यक्ष शामिल होते हैं।
 - **सर्वोच्च परिषद की अध्यक्षता** सदस्य देशों के वर्णमाला क्रम के आधार पर **प्रतिवर्ष बदलती** रहती है।
- **मुख्यालय:** रियाद, सऊदी अरब।
- **GCC के साथ भारत के संबंध:** GCC भारत का एक प्रमुख व्यापारिक और नविश साझेदार है, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब से महत्वपूर्ण नविश प्राप्त है।
 - **संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** और दूसरा सबसे बड़ा नरियात गंतव्य है।
 - वृत्त वर्ष 2023-24 में भारत-GCC द्विपक्षीय व्यापार **161.59 बलियन अमरीकी डॉलर** रहा। भारत का नरियात 56.3 बलियन अमरीकी डॉलर और भारत का आयात 105.3 बलियन अमरीकी डॉलर था।
 - GCC तेल सहित भारत के नरियात के लिये एक प्रमुख बाजार बना हुआ है, तथा वहाँ बड़ी संख्या में भारतीय कार्यबल मौजूद है।
 - **खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) में लगभग 8.9 मिलियन भारतीय प्रवासी धन प्रेषण में महत्वपूर्ण योगदान** देते हैं, जो हाल में आई गरिवट के बावजूद भारत के लिये **आय का प्रमुख स्रोत** बना हुआ है।



?????? ?????:

प्रश्न: भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंध कसि प्रकार खाड़ी क्षेत्र में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों को प्रभावित करते हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????????

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन 'खाड़ी सहयोग परिषद' का सदस्य नहीं है? (2016)

- (a) ईरान
- (b) ओमान
- (c) सऊदी अरब
- (d) कुवैत

उत्तर: (a)

?????:

Q. भारत की ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न भारत की आर्थिक प्रगतिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भाग है। पश्चिमि एशियाई देशों के साथ भारत के ऊर्जा नीतिसहयोग का वशिलेषण कीजिये। (2017)

